

## उत्तराखण्ड सरकार अगले दो साल में बनवाएगी 50 हज़ार पॉली हाउस

### चर्चा में क्यों?

29 जनवरी, 2022 को उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सहि धामी ने कहा कि राज्य सरकार की अगले दो साल में उत्तराखण्ड में 50 हज़ार पॉली हाउस बनाने की योजना है।

### प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री पुष्कर सहि धामी अपने सरकारी आवास में पॉली हाउस में उगाई जाने वाली सब्जियों का निरीक्षण कर रहे थे, तभी उन्होंने किसानों के लिये सरकार की पॉली हाउस बनाने की योजना के बारे में जानकारी दी।
- मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की मदद से इन पॉली हाउसों का निर्माण करेगी।
- मुख्यमंत्री ने योजना पर विश्वास जताते हुए कहा कि पॉली हाउस बनने से उत्तराखण्ड के किसानों को बड़े पैमाने पर लाभ मिलेगा।
- गौरतलब है कि पॉली हाउस एक प्रकार का ग्रीनहाउस है, जहाँ विशेष प्रकार की पॉलीथिन शीट का उपयोग कवरिंग सामग्री के रूप में किया जाता है, जिसके तहत फसलों को आंशिक रूप या पूरी तरह से नियंत्रित जलवायु परिस्थितियों में उगाया जा सकता है।
- दूसरे शब्दों में, वर्तमान समय में आधुनिक ढंग से कृषि करने, अर्थात् फसलों को उगाने के लिये एक विशेष प्रकार की पॉलीथिन या चादर से ढका हुआ घर होता है। इस घर के वातावरण को फसलों के अनुकूल कर हर मौसम में विभिन्न प्रकार की सब्जियों का उत्पादन किया जाता है। पॉली हाउस में बाहरी वातावरण का प्रभाव नहीं पड़ता है। पॉली हाउस को शेडनेट हाउस, ग्रीन हाउस और नेट हाउस आदि नामों से जाना जाता है।
- दरअसल पॉली हाउस खेती खेती का एक आधुनिक तरीका है, जिसमें हम हानिकारक कीटनाशकों और अन्य रसायनों के अधिक उपयोग के बिना उच्च पोषक मूल्यों के साथ अधिक पैदावार प्राप्त कर सकते हैं।